

प्रेषक,

रंजना,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड, शासन।

सेवा में,

निदेशक,
माध्यमिक शिक्षा,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-5

देहरादून, दिनांक 15 नवम्बर, 2016

विषय:-

स्व0 श्री इन्द्रमणी बड़ोनी जी के जन्म दिवस दिनांक 24 दिसम्बर, को प्रत्येक वर्ष लोक संस्कृति दिवस के रूप में मनाये जाने विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कृपया अपने पत्र सं0-अर्थ-1/21627/5क(46)/2016-17 दिनांक 06 अक्टूबर 2016 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा स्व0 श्री इन्द्रमणी बड़ोनी जी के जन्म दिवस दिनांक 24 दिसम्बर, को प्रत्येक वर्ष लोक संस्कृति दिवस के रूप में मनाये जाने संबंधी दिशा निर्देश प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया है।

इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासन द्वारा सम्यक विचारोपरांत स्व0 श्री इन्द्रमणी बड़ोनी जी के जन्म दिवस दिनांक 24 दिसम्बर, को प्रत्येक वर्ष लोक संस्कृति दिवस के रूप में मनाये जाने हेतु शासन द्वारा विद्यालयी शिक्षा विभाग के प्रत्येक शिक्षण संस्थानों में निम्नानुसार चरणबद्ध कार्यक्रम आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया है:-

- स्व0 इन्द्रमणी बड़ोनी जी के चित्र पर मात्स्यार्पण के उपरान्त स्थानीय वाद्ययन्त्र ढोल की थाप के साथ उपस्थित जन समुदाय द्वारा प्रादेशिक शैली के लोक संस्कृति के नृत्य उत्सव मनाने हेतु स्थानीय बाजीगरों (लोक संस्कृति शिल्पी) को आमंत्रित किया जाय या आधुनिक उपकरणों से कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाय।
- भोजन अवकाश तक स्थानीय लोक नृत्य (झूमैला, चौफला, चांचरी एवं थडिया आदि) का सामुयिक नृत्य आयोजन किया जाय।
- स्थानीय लोक भाषा शैली की गीत-गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाय।
- गढ़वाली, कुमाऊँनी एवं जौनसारी भाषा में कवि सम्मेलन आयोजित किया जाय। साथ ही स्व0 बड़ोनी जी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर आधारित भाषण प्रतियोगिता/निबन्ध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाय।
- उत्तराखण्ड की तीन भाषाओं (गढ़वाली, कुमाऊँनी एवं जौनसारी) में भाषण देने की प्रतियोगिता भी इस दिवस के कार्यक्रम में सम्मिलित की जाए।
- राजकीय इण्टर कालेज गोदाधार, अखोड़ी टिहरी के कार्यक्रम इस दिवस स्व0 श्री इन्द्रमणी बड़ोनी स्मृति मंच के अधीनस्थ पूर्व की भांति चलते रहेंगे।

- उक्त के अतिरिक्त लोक संस्कृति दिवस पर अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित कराये जाने की व्यवस्था जाए। कार्यक्रम संचालन में यथा सम्भव स्थानीय बोली भाषा को प्राथमिकता/महत्त्व दिया जाय। मिष्ठ वितरण एवं भोजन व्यवस्था में प्रदेश की संस्कृति के प्रतीक स्थानीय व्यंजन/पकवानों को वरीयता दी जाय।

2- कृपया उपरोक्तानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

भवदीया,

(रंजना)

अपर सचिव

संख्या- 664 (1)/xxiv-5/2016/3(24)/2016 दिनांक उक्तवत।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड शासन।
- 2- निजी सचिव, मा० विद्यालयी शिक्षा मंत्री उत्तराखण्ड शासन।
- 3- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 5- महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 6- निदेशक, अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 7- निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 8- अपर निदेशक, एस०सी०ई०आर०टी०, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 9- समस्त मुख्य शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड, द्वारा निदेशक माध्यमिक शिक्षा।
- 10- श्री रमेश उनियाल, संस्थापक, स्व० श्री इन्द्रमणी बड़ोनी स्मृति मंच (रजि०) उत्तराखण्ड।
- 11- माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 12- एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 13- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(वी०एस० पुण्डीर)
अनु सचिव,